रात्रि क्लास 19-4-68 ओमशान्ति बाप औ वर्सा याद है?

****

तुम बच्चे भी खेवईया हो। उस पार जाने का रास्ता बताते हो। ज्ञान सुनाते हो। है बहुत सहज। उस पार अर्थात कलियुग से सतयुग में। बीच में क्रास करना पड़ता है शान्तिधाम। जैसे बाप खेवईया बागवान, माली है वैसे तुम बच्चे भी हो। बाप में तो सफीयतें हैं, उनके पास तो है ही है। कोई से मिलती नहीं है। तुमको आकर क्वालिफीकेशन सिखलाते हैं। इस समय ही क्वालिफीकेशन छी छी है। जो जो मिनिस्टर जिन2 बातों के लिए मुकर्रर हैं उनकी लिस्ट निकालो फिर तुम बेहद की बातें सुना सकते हो। हेल्थ मिनिस्टर, फुड मिनिस्टर आद ज जो भी लिस्ट निकालो फिर समझाओ हम बेहद के हैं। तो तुम चिट्ठी लिख सकते हो। बाप हमारे में सभी सफीयतें भरते हैं। एक ही जीवन हम ऐसी बनाते हैं हेल्थ वेल्थ, गुण भी सुधारते हैं। एडयुकेशन भी है, जेल से भी छुड़ाते हैं, आधा कल्प लिए। तुम बच्चों में बहुत सफीयतें भरी जाती हैं। बाप सभी बातें समझाते हैं। म्युजियम में भल आते तो बहुत हैं परन्तु जितना साल्ड काम करना चाहिए वह अजन बच्चों में बल नहीं हैं। याद की यात्रा ही कम है नहीं तो सभी मिनिस्टर्स आद आते हैं, बल हो तो उनको पकड़े। ज़मीन के मिनिस्टर्स भी आते हैं। बोलो भगवान के बच्चे को ज़मीन देकर फिर बदलते हो। हम खुदाई खिज़मतगार हैं। उनकी चीज़ हप करते हो गोया खुदा के चीज़ को हाथ लगाते हो, बिघ्न डालते हो। हम ईश्वर को मदद करते हैं तुम इस में बिघ्न डालते हो। एक एक को ऐसा समझाना चाहिए जो उनको पानी कर देना चाहिए। हम भारत की सेवा में सभी पैसे लगाते हैं। दो शब्दों से भी पानी कर सकते हो। तुम्हारा ज्ञान बहुत मीठा है। प्रेम से बैठ सुनते हैं। तो प्रेम के आंसु आ जाते हैं। भाई के खयाल से देखो। भाई को रास्ता बताती हूं। तो पानी हो जाये। अभी तक मिनिस्टर आद को पानी नहीं कर सकते हैं। देहली में है एक म्युज़ियम। देख कर फिर औरों को दिखाते हैं। पूछते हैं मिसेज़ गांधी को नहीं दिखाया है? उनको भी पानी कर देना चाहिए। हम भारत को तमोप्रधान से सतोप्रधान श्रेष्ठाचारी बना रहे हैं श्रीमत पर। गीता को तो वह जानती नहीं। परन्तु सुनाना ऐसा चाहिए जो पानी हो जाये। पूछते हैं भारत की क्या सर्विस कर रहे हो। बोलो हम श्रीमत पर सच्ची सेवा कर रहे हैं। तुम रावण मत पर डिस-सर्विस करते हो। एकदम पानी कर देना चाहिए। आते बहुत हैं रिज़ल्ट कुछ नहीं। बाबा कहते थे देहली में घेराव डालो। बड़े2 मनुष्य आये। परन्तु ऐसा किसको घायल करते नहीं हैं। इसलिए बाबा समझते हैं अभी देरी है। घायल करने जैसा बनने में योगबल चाहिए। योगबल से तुम विश्व के मालिक बनते हो। साथ2 ज्ञान भी है। जानते हैं भारत हैविन था। परन्तु कैसे बनी यह नहीं जानते। योग के लिए ही सन्यासियों को पकड़ लेते हैं। तुम्हारा योग हो तो कशिश कर सको। अभी तक देह अभिमान है। अच्छे2 बच्चे भाषण करने वाले हैं परन्तु इह कशिश कम है। नशा चढ़ जाता है। धन का नशा बहुत है। मुख्य बात है ही योग की। योग से तुम अपने को पवित्र बनाते हो। धनवान तो ढेर हैं। क्या काम के। तुम बच्चों में योगबल चाहिए। बहुत कमी है। इस घड़ी तक जो कल्प पहले ड्रामा में चला है वही होता है। जो रसते करते हैं अपन को ही घाटा डालते हैं। तुम अन्दर में खुशी में पैरों पर नाच करते हो। यह खुशी का डांस है ना। इस ज्ञान योग से अन्दर में तुम्हारी डांस होती है। डांस करने कराने का भी शौक होना चाहिए। झुटका खाते रहेंगे तो डांस करने वाले को भी नफरत आवेगी। सबेरे भी बाप आकर दृष्टि देते हैं। आंख बन्द कर बैठे होंगे तो क्या मिलेगा। आंखें खोलकर बैठना चाहिए। आंखें खोल देखते2 तुम अशरीरी भी बन जाते हो। ज्ञान से अशरीर होना होता है। गुम होने की की बात नहीं। अभी हमको अपने घर अपनी राजाई में जाना है। यह ज्ञान बुधि में रहना चाहिए। ऐसे नहीं शरीर भूल जावे। कर्मातीत अवस्था में पहुंचने में टाईम है। सो भी बुधि में ज्ञान है अभी जाना है घर। वह छोड़ना है। बाप ने विनाश स्थापना भी दिखाया। यह दुनिया मरी पड़ी है। हम नई दुनिया के लायक बन रहे हैं। योग से ही कर्मातीत अवस्था होगी। अभी जाना है घर। इसलिए शरीर में भी कोई ममत्व नहीं। यह अवस्था भी आवेगी। अभी कर्मातीत अवस्था हो जाये तो कहां जाकर ठहरेंगे। बाबा के पास भी कितना ठहरेंगे। टाईम पड़ा है ना।

जो जाकर जन्मलेते हैं। इन बातों में अपना फन्टू टाईम गंवानान चाहिए। दू-सरागया न गया बाबा के पास बैठा या राजापास जन्म लिया इसमें हमारा क्या जाता है। हरेक को अपना पुरुषार्थ करना है। वह भी टाईम वेस्ट हो जाता है। हम कैसे बाबा को याद करें। यह सभी खत्म होना है। शरीर छूट जावेंगे हम चले जावेंगे। इस दुनिया से उपराम रहना है। घर को और राजाइ को याद करना है। कोई मरा उसमें हमारा क्या जाता। कोई भी चीज़ में आसक्ति नहीं। आगे चल देखेंगे विनाश बहुत कड़ा है। विनाश होगा तो तुमको खुशी होगी हम दूरसफरहुये कि हुये। पुरानी दुनिया की कोई भी चीज़ याद आई तो फेल। जिन बच्चों को कुछ है ही नहीं तो क्या यादआवेगा। बेहद के सारी दुनिया से ममत्व मिटा देना है। जो भी आते हैं उनको पर्चा देना है नर्कवासी हो या स्वर्गवासी? स्वर्गवासी बाप बनाते हैं। रावण नर्कवासी बनाती है। अभी बाप भक्ति के फल देने आये हैं। शान्तिधाम सुखधाम का वर्सा देंगे। हमारा कुल ऊंच ते ऊंच है। चोटी के ऊपर है बाप। यह भी तुमको निमंत्रणआवेगा। सभी धर्मों का संगठन होगा। तुम ब्राहमण धर्म बनावेंगे हम ऊंच ते ऊंच चोटी के हैं। बाप सभी कोकहते हैं मामेकं याद करो। देह के धर्म को अपने को आत्मा समझो। शान्ति का राज्य बाप स्थापन करते हैं। जितनी आत्मा पवित्र होंगी याद में होंगी उतनी ही पावर से सुनावेंगी। यह है भरत का प्राचीन योग। निकराकार बाप ही सिखलाते हैं। भगवानुवाच है ना। शान्ति का राय गीता में है। सदगति दाता लिबरेटर गाईड वह बाप ही है। समझानी वाली बड़ी बहादूर चाहिए। बोलो विश्व में शान्ति चाहते हो ना। इनके राज्य में विश्व में शान्ति थी। यह विश्व के मालिक थे तो जरूर संगम युग पर ही सीखे होंगे। आत्मा पवित्र बाप को याद करने से बनती है। अभी शान्ति की दुनिया स्थापन हो रही है। बाकी तुम तो फंद मार रहे हो। ओम। ओम।

रात्रिक्लास 20-4-68 ;-

बहुत ही भक्त बैठे हुये हैं। जानते हैं हम कितनामाथा मारते थे। मुर्दों में, तीर्थों पर जाते थे। तुम भी करते थे दुनिया वाले भी करते थे। अभी बाप ने सभी बातों से छुड़ाये दिया है। हे शिव बाबा कहना भी छूड़ा दिया। बात न करो। यह ज्ञान है। सिर्फ बाप और वर्से को याद करो। यह तो जानते हो स्वर्ग में देवतायें सर्व गुण सम्पन्न थे। हमको भी इन जैसा सम्पूर्ण बनना है। बाप से यह वर्सा मिलता है इसलिए दैवीगुण भी धारण करना है। सिर्फ बाप को याद करना है। यह अन्दर की बात है। भक्ति मार्ग में बाहर में सबकुछ करते हैं क्रियायें आद। तुमको सब बन्द करना है। छी छी बात न करो। बाप को सिर्फ बुधिसे जाना जाता है। यह बाप है। आगे देहधारी को बाप समझते थे। तो बात करनी पड़ती थी। अभी बिदेही को बाप समझते हैं तो बात नहीं करनी पड़ती। ईशारे की बात है। ईशारे से ही बाप को याद करते हैं। दुर्गति में कितने धक्के हैं। सदगति के लिए सिर्फ चुप रहना है। मनमनाभव। घर जाकर फिर आवेंगे। बाकी अलफ जाकर रहता है। कहते हैं ना उठकर अल्ला एक बाप को याद करो। यह सोने का समय नहीं है। शिव बाबा चुप है ना। उनकी महिमाकरते हैं शान्ति का सागर है। उनके अन्दर ज्ञान भी सुख भी है। परन्तु प्रत्यक्ष कैसे हो। तो बच्चों के आगे प्रत्यक्ष होते हैं। तुमको भी ज्ञान अन्दर रहता है बाहर जाने की दरकार नहीं। अन्दर चुपके से याद करो तो बाप से बल मिलता है। वह सर्वशक्ति वान हैं। बाप से बल मिलता है गुल2 होने से। उनसे बल मिलता है छी छी होने से। बाप कहते हैं यह सभी छोड़ो अभी बाप्म जाना है। मेरे को याद करेंगे तो खाद निकल जावेंगी। इसमें भक्ति की बात नहीं। मनुष्य बन्दर से मंदिर लायक बनते हैं तो कुछ भी करने की दरकार नहीं। तुम शिवालय के लायक बनते हो। सुरत मनुष्य की है सीरत देवताओं की है। बन्दरपना न होना चाहिए। वह निकल जाना है। किसको गुर2 करना जैसे बन्दर बन जाते हैं। यह भी छोड़ देना है। बच्चों को गुर2 करना सिखलाता हूं क्या। यह पुरानी आदतें बन्दरपने को चलन को छोड़ देनी है। कोई गुर2 करे तो रेसपाण्ड न करना है। अपने हाथ में ला नहीं उठाओ। बाबा को बोलो बाबा युक्ति बतावेंगे। बाबा क्या बतावेंगे? (हियर ना हीयर) सामनान करो। आसूं भी नहीं बहाना है। सह भी राग हो गया। अच्छा बच्चों को गुडनाईट। नमस्ते।

::-ओमशान्ति::-